पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

गोमती उत्सव–2026 लखनऊ की सांस्कृतिक विरासत, कला, साहित्य और प्रतिभाओं का भव्य संगम

– श्री केशव प्रसाद मौर्य

विभिन्न क्षेत्रों की विभूतियों को मिला 'गोमती गौरव सम्मान'

लखनऊ : 14 नवम्बर, 2026

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि लखनऊ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कला, साहित्य, संगीत और सामाजिक परंपराओं को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित गोमती उत्सव–2026 एक सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजन समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ ही प्रतिभाओं को अपनी कला एवं हुनर प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में यह महोत्सव और अधिक भव्य एवं दिव्य स्वरूप ग्रहण करेगा तथा इसमें लखनऊ ही नहीं, बल्कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों के लोग भी बड़ी संख्या में सहभागिता करेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को लखनऊ के गोमती नगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में गोमती उत्सव समिति द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'गोमती उत्सव–2026' के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री नीरज सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, शिक्षाविद्, कलाकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि कई वर्षों बाद इस उत्सव के शुभारंभ अवसर पर सहभागी बनने का उन्हें अवसर मिला है। उन्होंने उत्सव की परिकल्पना करने वाले लोकप्रिय पार्षद श्री रामकृष्ण यादव, आयोजन समिति के संरक्षक श्री राजीव मिश्रा, श्री पवन सिंह चौहान, श्री सर्वेश अस्थाना सहित आयोजन से जुड़े सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि श्री सर्वेश अस्थाना अपनी प्रभावशाली वाक् क्षमता और साहित्यिक प्रतिभा के लिए विशेष पहचान रखते हैं। ऐसे रचनात्मक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के पीछे अनेक लोगों का सामूहिक प्रयास और समर्पण होता है।

श्री मौर्य ने कहा कि गोमती उत्सव में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित करना अत्यंत सराहनीय है। इन सभी व्यक्तित्वों ने अपने–अपने कार्यक्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं और समाज को उनसे प्रेरणा मिलती है। उन्होंने सम्मानित होने वाली सभी विभूतियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका योगदान समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का निरंतर प्रयास है कि उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में स्थानीय संस्कृति, कला, साहित्य एवं परंपराओं से जुड़े आयोजनों को प्रोत्साहित किया जाए। जिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन पहले होता था, लेकिन किसी कारणवश बंद हो गया था अथवा जिनका आयोजन होना चाहिए, उन्हें भी पुनः शुरू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। लखनऊ प्रदेश की राजधानी होने के कारण यहां उत्तर प्रदेश महोत्सव सहित अनेक सांस्कृतिक आयोजन होते रहते हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में भी सांस्कृतिक आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जन भवन में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश में निवास करने वाले विभिन्न राज्यों के लोगों को एक मंच पर एकत्र कर उनकी सांस्कृतिक परंपराओं एवं विविधताओं को प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाता है। ऐसे आयोजन राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक आदान–प्रदान को मजबूत करते हैं।

उन्होंने कहा कि गोमती उत्सव जैसे आयोजन लखनऊ की गौरवशाली सांस्कृतिक पहचान को नई ऊर्जा देने के साथ ही स्थापित कलाकारों और नई पीढ़ी की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। तीन दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में वैदिक संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों, साहित्यिक गतिविधियों, संगीत एवं विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से कला और संस्कृति के अनेक रंग देखने को मिलेंगे। प्रदेश सरकार की ओर से ऐसे आयोजनों को पूरा सहयोग मिलता रहेगा। उन्होंने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया।

गोमती उत्सव का शुभारंभ केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर, गोमती नगर में उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को 'गोमती गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। न्याय, प्रशासन, शिक्षा, चिकित्सा, साहित्य, कला, संस्कृति, पत्रकारिता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वाली प्रमुख विभूतियों में पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंगनाथ पांडेय एवं न्यायमूर्ति सुधीर सक्सेना, पद्मश्री डॉ. अनिल रस्तोगी, पद्मश्री विद्या बिंदु सिंह, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति श्री सर्वनारायण झा, पीजीआई के निदेशक डॉ. आर.के. धीमन, पूर्व महापौर श्रीमती संयुक्ता भाटिया, वरिष्ठ शिक्षाविद् श्री एस.के.डी. सिंह, डॉ. विनोद मिश्रा, सीएमएस प्रबंधक श्रीमती गीता गांधी, वरिष्ठ कवयित्री डॉ. सुमन दुबे, बाल कलाकार आर्यमन, दैनिक जागरण के संपादकीय प्रभारी श्री अंबिका प्रसाद वाजपेयी, वरिष्ठ पत्रकार श्री योगेश मिश्रा तथा गोमती सफाई अभियान में उल्लेखनीय योगदान देने वाले श्री रणजीत सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्तित्व शामिल रहे।

उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ ईशा एवं मीशा रतन द्वारा प्रस्तुत 'श्री रामचंद्र कृपालु भजमन' से हुआ। इसके पश्चात बॉलीवुड गायक श्री रवि त्रिपाठी ने अपनी सुरीली आवाज में लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकार गीतांजलि की प्रस्तुति ने कला एवं रचनात्मकता के विविध रंग बिखेरे, जबकि गायक श्री कुलदीप ने 'लिखे जो खत तुम्हें' गीत प्रस्तुत कर संगीत प्रेमियों की खूब सराहना प्राप्त की।

इस अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने अतिथियों, सम्मानित विभूतियों एवं उपस्थित नागरिकों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। समिति से जुड़े श्री राजीव मिश्रा, श्री रामकृष्ण यादव, श्री सर्वेश अस्थाना, श्री समीर शेख, श्री मुकेश बहादुर सिंह, डॉ. सुमन दुबे, श्री विनोद मिश्र, डॉ. सुधांशु मोहन, श्री दीपक तिवारी, श्री अभय सिंह एवं श्री अमित त्रिपाठी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गोमती उत्सव समिति का उद्देश्य लखनऊ की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, कला, साहित्य, संगीत एवं सामाजिक परंपराओं को संरक्षित करने के साथ ही स्थापित कलाकारों और उभरती प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। तीन दिवसीय यह महोत्सव लखनऊ की सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध करने और समाज में कला एवं संस्कृति के प्रति नई चेतना जागृत करने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

सम्पर्क सूत्र– बी0एल0 यादव

राम यतन/06:20 PM

फोन नम्बर Direct : 0522–2239023 ई0पी0बी0एक्स0: 0522–2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225
फैक्स नं0 : 0522–2237230 0522–2239586 ई–मेल : upsoochna@gmail.com,
वेबसाइट :www.information.up.gov.in